भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 960
उत्तर देने की तारीख 02.12.2024

पंजाबी संस्कृति को बढ़ावा देना

960. श्री गुरजीत सिंह औजला :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा देश के अन्य राज्यों में पंजाबी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान में चलाए जा रहे कार्यक्रमों और पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इन पहलों के लिए किन पद्धतियों का उपयोग किया जाएगा; और

(ग) चालू वित्त वर्ष में पंजाबी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आवंटित बजट का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): : संस्कृति मंत्रालय, अपने स्वायत्त निकायों के माध्यम से निम्नलिखित रूप से पंजाबी संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न प्रयास कर रहा है:

संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) द्वारा "महोत्सव, कार्यशाला एवं प्रदर्शनी" स्कीम के अंतर्गत दीनानगर, पंजाब में डिस्ट्रिक्ट हैरिटेज सोसाइटी के सहयोग से लोक एवं जनजातीय मंच कलाओं का महोत्सव- 'देशज' आयोजित किया गया। संगीत नाटक अकादमी पंजाबी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में आयोजित महोत्सवों में पंजाबी कलाकारों को प्रस्तुति पेश करने के लिए भी आमंत्रित करती है।

साहित्य अकादेमी (एसए) विभिन्न विधाओं में बहुत सी पुस्तकें प्रकाशित करती हैं और पंजाबी सहित 24 भाषाओं में साहित्यिक रचनाओं के लिए पुरस्कार प्रदान करती है। यह

साहित्यिक कार्यक्रमों का भी आयोजन करती है जिन्हें इसकी वेबसाइट, यूट्यूब और सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, साहित्य अकादमी पुस्तकालय एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है और इसमें पंजाबी साहित्य का व्यापक संग्रह मौजूद है।

क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों (जेडसीसी) द्वारा राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (एनसीईपी) कार्यान्वित किया जाता है जिसके अंतर्गत सदस्य राज्यों में विभिन्न महोत्सव, प्रदर्शनियां और यात्राएं आयोजित की जाती हैं। विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों से कलाकारों को इनमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है, साथ ही ये क्षेत्रीय केन्द्र अपने कलाकारों को देश भर में आयोजित महोत्सवों में भाग लेने के लिए भी सुविधाएं प्रदान करते हैं। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (एनजेडसीसी) ने इस स्कीम के अंतर्गत अनेक प्रसिद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें हरियाणा में कुरुक्षेत्र उत्सव, हिमाचल प्रदेश में मिंजर मेला, उत्तराखंड में श्रावणी मेला, हिमाचल प्रदेश में किनौर महोत्सव, पंजाब में विरासत मेला, हरियाणा में सूरजकुंड शिल्प मेला, चंडीगढ़ में चंडीगढ़ कार्निवल, गुलाब महोत्सव तथा राजस्थान में लोक रंग महोत्सव आदि का आयोजन शामिल है।

(ग): उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (एनजेडसीसी) पंजाब सहित कई राज्य को शामिल करता है। एनजेडसीसी, पटियाला को वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए देश भर में अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यकलाप और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 10.72 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

****